सिंधु-सरस्वती सभ्यता और उज्जयिनी मध्याह्न रेखा

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

NCERT की नई पाठ्यपुस्तकों में पुरानी पाठ्यपुस्तकों **की तुलना में कई बदलाव किये गए हैं।** इसका उद्देश्य [स्कूली शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2023] और [राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020] के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों को तैयार करना है, जिसमें पारंपरिक भारतीय ज्ञान के एकीकरण एवं सामाजिक विज्ञान शिक्षण हेतु विषयगत दृष्टिकोण पर बल दिया गया है।

NCERT की पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तन:

- इनमें [हड़प्पा सभ्यता] को **'सिंधु-सरस्वती' सभ्यता** के रूप में संदर्भित किया गया है, जिसमें सरस्वती नदी की प्रमुखता पर प्रकाश डाला गया है।
  - इसमें उल्लेख किया गया है कि सरस्वती नदी (जिसे अब **घग्गर-हकरा नदी** के रूप में जाना जाता है) की **हड़प्पा सभ्यता में प्रमुख भूमिका थी और इसके सूखने से इस [सभ्यता के पतन] का मार्ग प्रशस्त हुआ।**
- **ग्रीनविच मध्याह्न रेखा** को अपनाने से बहुत पहले भारत की अपनी प्रधान मध्याह्न रेखा थी जिसे **"मध्य रेखा"** के नाम से जाना जाता था, जो **[उज्जैन शहर] से होकर गुजरती थी।**
  - पाठ्यपुस्तक में **'उज्जयिनी मध्याह्न रेखा'** की अवधारणा का परिचय दिया गया है जो भारत की एक **प्राचीन प्रधान मध्याह्न रेखा** थी जिसका उपयोग खगोलीय गणनाओं के लिये किया जाता था।
- **संरचना और विषय-वस्तु में अन्य परिवर्तन:**
  - इतिहास, राजनीति विज्ञान और भूगोल विषयों की पूर्व की अलग-अलग पाठ्यपुस्तकों के विपरीत, नई पाठ्यपुस्तक **के एक ही खंड में पाँच विषयों** को शामिल किया गया है।
    - इसका उद्देश्य सामाजिक विज्ञान शिक्षा के क्रम में अधिक एकीकृत और अंतःविषयक दृष्टिकोण विकसित करना है।
  - पुरानी पाठ्यपुस्तकों की तुलना में, **विविधता पर आधारित अध्याय में अब [जाति-आधारित भेदभाव] तथा असमानता पर कम बल दिया गया है।**

और पढ़ें... [राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020], [स्कूली शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2023]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sindhu-sarasvati-civilisation-and-ujjayini-meridian